करतूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

// पाठ्यक्रम 2020–21 //

कक्षा : समस्त द्वितीय एवं तृतीय वर्ष

विषय :– गांधी विचार धारा एवं ग्राम स्वराज

पाठ्यक्रम प्रमाण पत्र कोर्स

व्याख्यान के कुल घंटे: 60
कुल माह : 05
प्रति सप्ताह व्याख्यन :03

पाठ्यक्रम अध्ययन का उद्देश्य :–

1. छात्राओं को गांधीजी के सम्पूर्ण जीवन का अध्ययन करवाना।
2. छात्राओं को गांधीजी के विचारों एवं प्रमुख अवधारणाओं से अवगत करवाना।
3. छात्राओं को गांधीजी के एकादश व्रत, रचनात्मक कार्यक्रम एवं गांधीयुग से अवगत करवाना।

गांधीजी का जीवन परिचय एवं अन्य व्यक्तियों के विचारों का प्रभाव –

1. परिवारिक जीवन
2. आर्थिक जीवन
3. शैक्षणिक जीवन
4. समाजिक जीवन
5. रस्किन एवं टॉलस्टाय के विचारों का प्रभाव

गांधीजी के एकादश व्रत एवं सर्वधर्म समभाव –

1. गांधीजी के एकादश व्रत
2. एकादश व्रत का व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में उपयोग।
3. धर्म की अवधारणा
4. गांधीजी के विचारों पर सभी धर्मो का प्रभाव
5. सर्वधर्म समभाव वृत्ति का विकास

महात्मा गांधी के प्रमुख विचार –

1. धार्मिक विचार
2. समाजिक विचार
3. शिक्षा संबंधी विचार (नई तालीम)
4. आर्थिक विचार
5. राजनीतिक विचार

अवतरित 2

गांधीजी की अवधारणा

1. सत्य एवं अहिंसा संबंधी अवधारणाएं
2. ग्राम स्वराज – सिद्धांत और व्यवहार वर्तमान ग्रामीण जीवन में प्रासंगिकता
3. सर्वोदय विचार का विकास
4. ट्रस्टीशिप के सिद्धांत और व्यवहार
5. गांधीजी का पंचायती राज विचार – पंचायती राज का संवैधानिक स्वरूप

गांधीजी के रचनात्मक कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान –

1. कौमी एकता और अस्पृश्यता निवारण
2. शराब बंदी और खादी
3. खादी और गाँवों की सफाई
4. राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गांधी की भूमिका
5. असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं भारत छोड़ो आंदोलन

संदर्भ ग्रंथ –

1. गांधी, एम.के. : सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा, नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद
2. गांधीजी : हिन्द स्वराज, नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद
3. गांधीजी : रचनात्मक कार्यक्रम, नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद
4. गांधीजी : सर्वोदय, सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली
5. मशरूवाला, कि.घा. : गांधी विचार दोहन, नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद
6. गांधी, मो.क. : मेरे सपनों का भारत, सर्व सेवा संघ प्रकाशन, राजघाट, वाराणसी
7. विनोबा : स्त्री शक्ति : सर्व सेवा संघ प्रकाशन, राजघाट, वाराणसी
8. प्रतापसिंह : गांधीजी का दर्शन, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर
9. गांधीजी : सक्षिप्त आत्मकक्षा, नवजीवन प्रकाशन, मंदिर, अहमदाबाद

....

कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

// पाठ्यक्रम 2020–21 //

कक्षा : समस्त द्वितीय एवं तृतीय वर्ष

विषय :– व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम प्रमाण पत्र कोर्स

पाठ्यक्रम अध्ययन का उद्देश्य :–

व्याख्यान के कुल घंटे: 60
कुल माह : 05
प्रति सप्ताह व्याख्यन :03

1. विद्यार्थी व्यक्तित्व विकास का संमप्रत्यात्मक ज्ञान अर्जित करेंगे।
2. विद्यार्थी व्यक्तित्व उन्नयन की तकनीकों के विषय में अंतदृष्टि विकसित करेंगे।
3. विद्यार्थी सफल साक्षात्कार देने के योग्य होंगे।
4. विद्यार्थी आत्म विश्वास विकसित करने में सक्षम होंगे।
5. विद्यार्थी प्रतिबल प्रबंधन की तकनीकों के विषय में जागरूक होंगे।

क्र.	विषय
	व्यक्तित्व विकास के **आयाम** – 1. व्यक्तित्व विकास का प्रत्यय 2. सामंजस्य को विकसित करना 3. **शक्ति** और कमजोरियों का विश्लेषण 4. अभिप्रेरण 5. व्यक्तित्व उन्नयन की तकनीकें
	व्यक्तित्व विकास के कौशल – 1. प्रभावपूर्ण संचार 2. आत्म सम्मान एवं आत्म विश्वास 3. चिंतन एवं समस्या समाधान कौशल 4. स्वाट विश्लेषण 5. सफल साक्षात्कार के लिये कौशल
	व्यक्तित्व विकास **का प्रबंधन** – 1. समय प्रबंधन एवं लक्ष्य निर्धारण 2. प्रतिबल प्रबंधन 3. सफलता एवं असफलता का प्रत्यय 4. सोशल मीडिया का प्रबंधन 5. आत्म नियंत्रण एवं सामाजिक समानुभूति
	व्यक्तित्व **विकास** में **सम्प्रेषण** – 1. सम्प्रेषण का अर्थ एवं महत्व 2. सूचना 3. संप्रेषण में बाधाएं 4. बाधाओं पर नियंत्रण
	व्यक्तित्व विकास में नेतृत्व – 1. नेतृत्व का परिचय 2. समूह चर्चा, तात्कालिक भाषण 3. समूह गतिशीलता, वैयक्तिक अध्ययन
संदर्भ ग्रंथ 1 2 3 4 5 6 7 8	मॉर्डन स्वेटए व्यक्तित्व विकास : आनंद पेपरबैक्स शर्मा, पी.के. 2014, व्यक्तित्व विकास : आनंद पेपरबैक्स अस्थाना एम.एवं वर्मा के 1999, व्यक्तित्व मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली Andrews. Sudhir 1988, How to Succeed at Interviews. 21th (rep.) Tata McGraw-Hill New Delhi. Covey Stephen 1989, The 7 Habits of Highly Efdective People NY: Free Press Hindle. Him 2003, Reducing Tress. Essential Manager Series D.K. Publishing Lucas Stephen 2001. Art of Public Speaking. Tata McGraw Hill, New Delhi. Peetes SJ Francis 2011, Soft Skills and Professional Communication Tata McGraw-Hill Educatin New Delhi

कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
पाठ्यक्रम सत्र 2020–21
कक्षा : समस्त संकाय द्वितीय एवं तृतीय वर्ष
विषयः– ग्रामीण हस्तकला
पाठ्यक्रम प्रमाण पत्र कोर्स

व्याख्यान के कुल घंटे : 60
कुल माह : 05
प्रति सप्ताह व्याख्यान : 03

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

2. विद्यार्थियों का हस्तकला के प्रति रूझान बढाना ।
2. पुष्प निर्माण कला के अंतर्गत कृत्रिम पुष्प निर्माण कला सिखाना, पुष्प पात्र सज्जा एवं कृत्रिम आभूषण तथा सजावटी साधनों के द्वारा गृह उपयोगी उपसाधन निर्माण कला सिखाना ।
3. स्वरोजगारों के प्रति जागरूकता का प्रयास करना।

क्र.	विषय विवरण
	– **कृत्रिम आभूषण डिजाइन :** 1. कृत्रिम आभूषण का अर्थ एवं आवश्यकता। 2. चूडियॉ निर्माणयोजना बनाना, आवश्यक सामग्री निर्माण विधि, निर्माण में ावधानियॉ 3. कंगन निर्माण योजना बनाना, आवश्यक सामग्री निर्माण विधि एवं निर्माण में सावधानियां। 4. एयरिंग्स योजना बनाना, आवश्यक सामग्री निर्माण विधि, निर्माण में सावधानियॉं। 5. अन्य आभूषण– साडी पिन, जूडा पिन, 'की' रिंग आवश्यक सामग्री निर्माण विधि एवं सावधानियॉ। 6. निर्मित साधन की लागत निकालना।
	– **कृत्रिम पुष्प निर्माण :** 1. कृत्रिम पुष्प व्यवस्था का अर्थ, उपयोगिता एवं लाभ 2. कृत्रिम पुष्प निर्माण के साधन पुष्प निर्माण हेतु कपडे के प्रकार – अवरगंडी स्टोकिंग (तीन प्रकार) आवश्यक सामग्री निर्माण विधि, निर्माण में सावधानियॉ पुष्प निर्माण हेतु पेपर – क्रेप पेपर, पुराने न्यूज पेपर से फूल बनाना पुष्प निर्माण क्ले के द्वारा आवश्यक सामग्री, निर्माण विधि 3 कृत्रिम बोनसाय – बोनसाय का अर्थ एवं उपयोगिता – कृत्रिम बोनसाय की निर्माण सामग्री – कृत्रिम बोनसाय निर्माण में सावधानियॉ 4. निर्मित साधन की लागत निकालना

अविरत......2

Autonomous Institute Kasturba Gandhi National Memorial Trust, K.Gram KASTURBAGRAM, INDORE (M.P.)

	– **कृत्रिम रंग निर्माण** 1. होली के प्राकृतिक रंग तैयार करना। 2. प्राकृतिक रंग का अर्थ 3. रंग के प्रकार – (1) सूखा रंग (2) तरल रंग 4. रंग निर्माण के वनस्पतिक स्त्रोत – नीम, मेंहदी, पोई, टेसू, चूकन्दर, पालक, संतरे एवं नीबू के छिलके 5. निर्माण सामग्री एकत्र करने के तरीके 6. रंग निर्माण की विधि 7. निर्माण में सावधानियॉ 8. उत्पादन का विकय
	– **पुष्प पात्र सज्जा :** 1. पुष्प पात्र सज्जा का अर्थ एवं महत्व 2. पुष्प पात्र सज़्जा के साधन– क्ले एवं कलर, पेंट, रेत, कंकरीट एवं रंग से सज्जा मोम, मोती एवं डोरियां, कांच, जरी इत्यादी से पुष्प पात्र सज्जा करने की विधियॉं 3. ओरिगेमी (पेपर वर्क) से पात्र सज्जा
	– – **प्लाय या अन्य आधार** (एकेलिक **शीट**, फोम शीट, **अनुपयोगी पात्र) पर सजावटी एवं उपयोगी साधनों का निर्माण :** 1. बन्दनवार (दो प्रकार) निर्माण सामग्री, निर्माण विधि एवं सावधानियॉं 2 बहुउद्‌देशीय रांगोली से तात्पर्य 3 रांगोली निर्माण के साधन – प्लाय, एकेलिक एवं फोम शीट, कलर, कुंदन, मोती, जरी निर्माण विधि एवं सावधानियॉं 4. कलश एवं थाल सज्जा – आवश्यक सामग्री – कलर, कुंदन, जरी, डोरी, मोती, सिरोसक्की आदि 5. निर्माण विधि एवं सावधानियॉं 6. निर्मित साधन की लागत निकालना